भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *218
जिसका उत्तर 19 दिसम्बर, 2025 को दिया जाना है।
28 अग्रहायण, 1947 (शक)

एआई के क्षेत्र में युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु योजनाएं

***218. श्री गोविन्दभाई लालजी भाई धोलकिया :**

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आज की स्थिति के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में कितने रोजगार उपलब्ध हैं;

(ख) वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र में कितने प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता है;

(ग) इस आवश्यकता को पूरा करने हेतु सरकार की क्या योजना है;

(घ) सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा इस क्षेत्र में क्या कार्रवाई की गई है या क्या योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं; और

(ड.) इस क्षेत्र में विभिन्न मंत्रालयों के साथ सामंजस्य बिठाने हेतु सरकार की क्या प्रतिक्रिया है, ताकि इस चुनौती का मिलकर सामना किया जा सके?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से **(ड.):** एक विवरण-पत्र सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

''एआई के क्षेत्र में युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु योजनाएं'' के संबंध में दिनांक 19.12.2025 को राज्यसभा में पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *218 के उत्तर में उल्लिखित विवरण पत्र

****

(क) से **(ड.):** भारत की क्रत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) रणनीति माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रौद्योगिकी को लोकतांत्रिक बनाने के विज़न पर आधारित है। इसका उद्देश्य भारत-केंद्रित चुनौतियों का समाधान करना और एआई के क्षेत्र में अवसर और रोजगार सृजित करना है।

भारत का बढ़ता हुआ एआई प्रतिभा आधार

एआई से जुड़े रोजगार के अवसर कई क्षेत्रों जैसे आईटी, विनिर्माण, कृषि, स्वास्थ्य देखरेख, शासन वयवस्था आदि में उपलब्ध हैं। जैसे-जैसे इन क्षेत्रों में एआई को गहराई से अपनाया जा रहा है, कुशल पेशेवरों की मांग भी बढ़ रही है।

भारत सरकार इसे स्वीकार करती है और इसने अपनी एआई पहलों को इसी दिशा में संरेखित किया है। यह भारत के एआई कार्यबल के बारे में वैश्विक स्तर पर किए गए मूल्योकनों में भी दिखाई देता है।

स्टैनफोर्ड एआई सूचकांक रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत:

- एआई प्रतिभा अधिग्रहण के मामले में यह दुनिया में सबसे आगे है, इसकी सालाना हायरिंग दर लगभग 33% है
- एआई कौशल पैठ के मामले में यह दुनिया भर में शीर्ष देशों में शामिल है
- 2016 से एआई प्रतिभा संकेंद्रण के मामले में यहां तीन गुना से ज़्यादा की बढ़ोतरी देखी गई है।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी टूल में भारत शीर्ष तीन देशों में शामिल है, जो एआई प्रतिभा और अवसंरचना के क्षेत्र में इसकी बढ़ती हुई ताकत को दर्शाता है।

उद्योग जगत के अनुमान के अनुसार, भारत का एआई प्रतिभा आधार 2027 तक दोगुना से ज़्यादा होने की उम्मीद है, जो लगभग 15% की मिश्रित वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है।

भारत का बढ़ता एआई प्रतिभा आधार वैश्विक विकासकर्ता भागीदारी में भी दिखाई देता है। भौगोलिक वितरण के हिसाब से गिटहब एआई परियोजनाओं पर वैश्विक डेटा के अनुसार, 2024 में भारत दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता था, जो सभी एआई परियोजनाओं के 19.9% के बराबर है।

यह भारत के एआई विकासकर्ता पारिस्थितिकी तंत्र की गहराई को दर्शता है। इंडियाएआई मिशन के तहत बड़े पैमाने पर एआई कौशलन, शोध और नवाचार पर सरकार के फोकस से भी यह सही साबित होता है।

एआई प्रतिभा पाइपलाइन के विकास में मदद करने वाली भारत सरकार की विभिन्न पहलें इस प्रकार हैं:

1. इंडियाएआई फ्यूचरस्किल्स

यह इंडियाएआई मिशन के स्तम्भों में से एक है, जहां एआई प्रतिभा और शोध पाइपलाइन के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

- सरकार एआई से जुड़े काम के लिए 500 पीएचडी विद्वानों, 5,000 परास्नातकों और 8,000 स्नातकों को सहायता प्रदान कर रही है
- एआई, डेटा क्यूरेशन, एनोटेशन, क्लीनिंग और एप्लाइड डेटा साइंस में कोर्सवर्क करने के लिए नाइलिट के माध्यम से टियर-2 और टियर-3 शहरों में 27 इंडियाएआई डेटा और एआई लैब स्थापित किए गए हैं।
- 27 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 174 आईटीआई और पॉलिटेक्निक को अतिरिक्त इंडियाएआई डेटा और एआई लैब्स स्थापित करने की मंजूरी दी गई है।

2. फ्यूचरस्किल्स प्राइम

- सरकार, नैसकॉम के साथ मिलकर, विद्यार्थियों को एआई, बिग डेटा और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे आज के तेज़ी से बदलते हुए डिजिटल माहौल के लिए ज़रूरी नवीनतम कौशल प्रदान कर रही है।
- नेशनल ऑक्यूपेशनल स्टैंडर्ड्स (एनओएस) और नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुसार पाठ्यक्रमों का संरेखण किया जाता है।
- इस प्लेटफॉर्म पर 500+ पाठ्यक्रम और 2000+ डिजिटल फ्लूएंसी पाथवे प्रस्तावित किए जाते हैं। अब तक, 16.29 लाख+ उम्मीदवारों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन कराया है/प्रशिक्षण लिया है।

3. आईगोट कर्मयोगी भारत प्लेटफॉर्म:

- इसे मिशन कर्मयोगी के तहत सरकारी अधिकारियों के क्षमता निर्माण के लिए एक डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के तौर पर लॉन्च किया गया है।
- एआई, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसे उभरते हुए क्षेत्रों में ऑनलाइन पाठ्यक्रम और प्रमाणन प्रसताव दिए जाते हैं।

4. राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस):

- यह श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा चलाया जाने वाला एक वन-स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के लिए रोजगार के अवसर/समानांतर सेवा प्रदान करता है।
- इस प्लेटफॉर्म पर करियर काउंसलिंग, रोजगार मेलों की जानकारी, कौशल विकास कार्यक्रम और व्यावसायिक मार्गदर्शन भी दिया जाता है।
- पोर्टल का अभिगम www.ncs.gov.in पर किया जा सकता है।

इसके अलावा, बड़े पैमाने पर जागरूकता पैदा करने और बुनियादी एआई साक्षरता बढ़ाने के लिए एक नि:शुल्क राष्ट्रीय स्तर का आधारभूत पाठ्यक्रम "सभी के लिए युवा एआई" शुरू किया गया है।

नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल कुशल प्रतिभा पूल है और 2030 तक इसके पास एआई से जुड़ी सेवाओं में 8-10 मिलियन पेशेवरों के पुनरकौशलन और विकास की क्षमता है।

सरकार एआई कौशलन और कार्यबल के विकास के लिए समग्र सरकारी नज़रिया अपना रही है। इंडियाएआई मिशन और उससे जुड़े प्लेटफॉर्मों के ज़रिए, यह एआई कौशल तैयार करने के लिए मंत्रालयों, राज्य सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग जगत के साथ मिलकर काम कर रही है।

*****